Chapter- 10

गांधी बन जाऊंगा

STUDY NOTES

MIND MAP

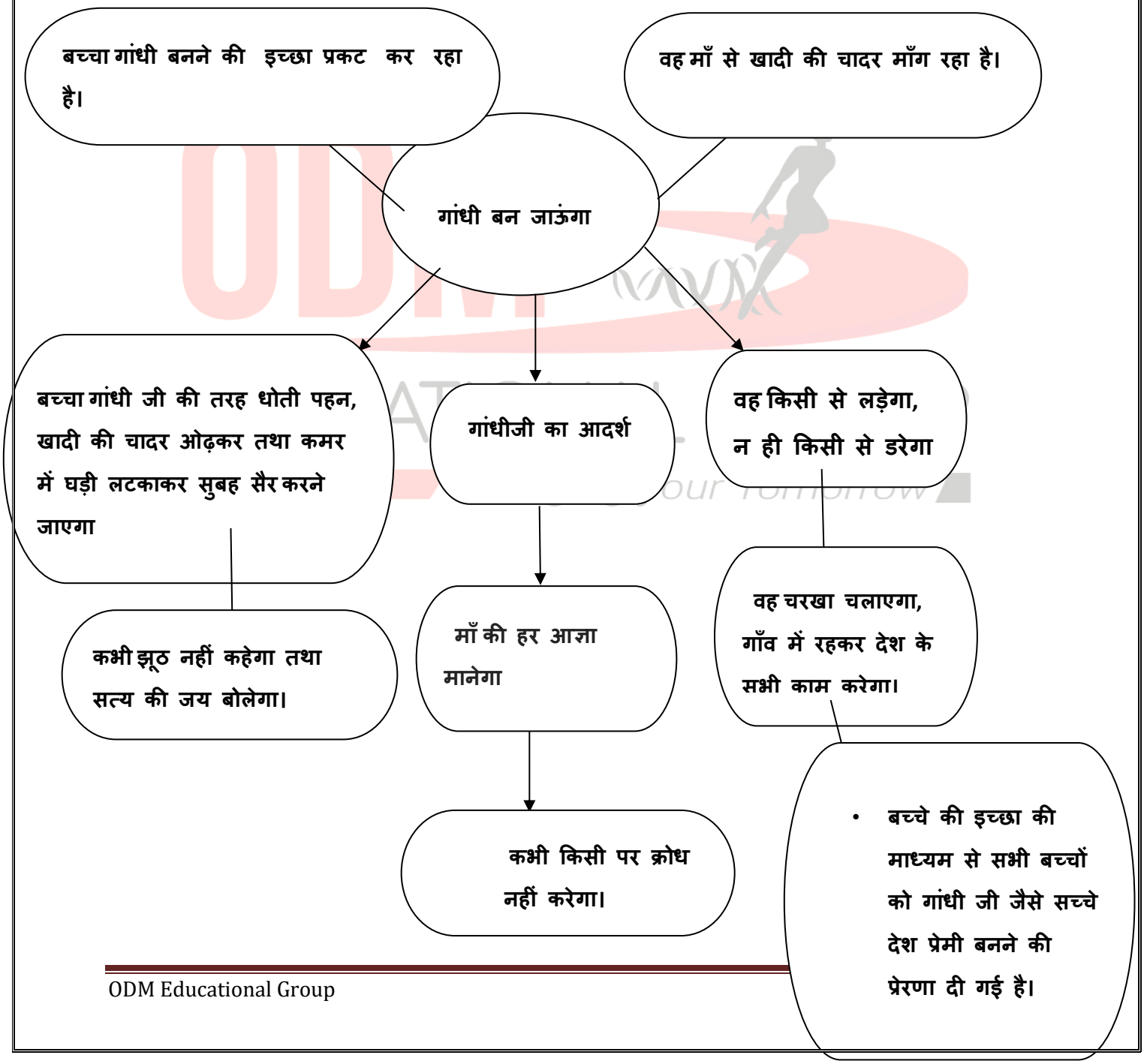

पाठ प्रवेश

'गांधी बन जाऊँगा' कविता में बच्चा गांधी बनने की इच्छा प्रकट कर रहा है। वह माँ से खादी की चादर माँग रहा है। सभी मित्रों के बीच बैठ 'रघुपति राघव' गाना चाहता है। बच्चा गांधी जी की तरह धोती पहन, खादी की चादर ओढ़कर तथा कमर में घड़ी लटकाकर सुबह सैर करने जाएगा। न वह किसी से लड़ेगा, न ही किसी से डरेगा, कभी झूठ नहीं कहेगा तथा सत्य की जय बोलेगा। वह माँ की हर आज्ञा मानेगा और सेवा करने का प्रण करेगा। वह चरखा चलाएगा, गाँव में रहकर देश के सभी काम करेगा। सबसे हँसकर बात करेगा, कभी किसी पर क्रोध नहीं करेगा।

बच्चे की इच्छा की माध्यम से सभी बच्चों को गांधी जी जैसे सच्चे देश प्रेमी बनने की प्रेरणा दी गई है।

पाठ सार

बच्चे की इच्छा की माध्यम से सभी बच्चों को गांधी जी जैसे सच्चे देश प्रेमी बनने की प्रेरणा दी गई है।

देश और समाज को बदलने से पहले खुद को बदलना चाहिए।हम बदलेंगे तभी देश और समाज के

निर्माण में योगदान कर पाएंगे।कविता के माध्यम से एक छोटा सा बच्चा गांधी बनने की इच्छा प्रकट

कर रहा है।छोटा सा प्यारा सा बालक अपने माँ से कहता है कि हे माँ मुझे खादी की चादर दे दो, मुझे गांधी बनना है। गांधी जी खादी का चादर ओढ़ते थे। सभी दोस्तों के साथ बैठकर मैं गाँधी जी के प्रिय भजन गाऊँगा। मैं गाँधी जी के तरह धोती पहनना चाहूँगा, गांधी जी समय पर चलने केलिए कमर में घड़ी लटकाते थे। मैं भी उसी प्रकार घड़ी को अपने कमर मैं लटकाना चाहता हूँ। हमेशा सुबह सुबह सैर करना चाहूँगा।मैं अहिंसा के सिद्धांत पर चलने केलिए प्रयास करूँगा। कभी भी किसीसे लढ़ुंगा नहीं। हमेशा हिम्मत के साथ आगे ही आगे वढ़ुंगा और किसीसे नहीं डरुंगा। हमेशा सच्चाइयों के साथ रहूँगा, सदा सत्य की जय जय करूंगा। कभी भी झूट नहीं बोलूंगा।हे माँ मैं हमेशा तेरी आदेश को मानूँगा। मै सबकी सेवा करने के लिए शपथ लेता हूँ। गाँधी जी के तरह मैं चरखा

चलाऊंगा। हमारे देश में अनेक जाति और गांव है मैं वहीँ रहूँगा। हमेशा देश के कार्य करने के लिए सदा प्रयत्न करूंगा। क्रोध जैसे नकरात्मक भावना को छोड़ कर सबसे हाँस हाँस कर मीठी वाणी बोलूंगाहे माँ मुझे खादी की चादर दे दो मैं फिर से गांधी बन जाऊँगा।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow